

उद्देश्य (Objective) :-

इस पाठ में महासागरों के विश्व पर पायी जानेवाली विशेषताओं का वर्णन किया गया है। इसके अध्ययन में छात्र इस बात से वाकिफ हो पाएंगे कि चैंसल आन्दोलन के बाद महासागरीय-निराल की जानकारी में क्या परिवर्तन आया है। सागरीय निराल को कैसे समझना है। उदाहरण के तौर पर अंटार्कटिक का कार्य किया जाता है। विभिन्न महासागरों के अंतर आनेवाले विशेषताओं के विवरण से भी छात्र भसी भौतिक बकात होंगे। साथ ही, हिन्द महासागर एवं आर्यांतिक महासागर में पाये जानेवाली विवरण को भी समझ सकेंगे।

Introduction (परिचय) :-

पृथ्वी पर जल व थल का असमान वितरण पाया जाता है। इनसाइक्लोपीडिया के अनुसार, समस्त पृथ्वी का क्षेत्रफल 50.995 करोड़ वर्ग किलोमीटर है। जिनमें जल 36.106 करोड़ वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल (70.8%) पर जलमय का तथा 14.889 करोड़ वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल (29.2%) पर

कूबेल के आधुनिकतम गणना के अनुसार भी पृथ्वी के सम्पूर्ण क्षेत्रफल के लगभग 71 प्रतिशत भाग पर जल तथा 29 प्रतिशत भाग पर थल/स्थल का विस्तार पाया जाता है। अथलीप भाग में मुख्य रूप से तीन बड़े महासागर प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर तथा हिन्द महासागर के नाम उल्लेखनीय हैं जो जलमण्डल के 90 प्रतिशत भाग पर फैला है। इन महासागरों की अपनी विशेषताएँ हैं, किन्तु यहाँ भी स्थलमण्डल के समान ही उच्चावच मिलते हैं महासागरों की औसत गहराई 3800 मीटर तथा स्थलभाग की औसत ऊँचाई 840 मीटर मपी गयी है।

* चैलेंजर अभियान :-

अथलीप भाग की ऊँचाई तथा महासागरों की गहराई का उत्पत्तिक वक (हैरयोग्राफिक वर्क) द्वारा पदचिह्न किया जाता है। इस आधारे पर महासागरों के जल के वितरण मध्य से सर्वाधिक गहरा पाया है। लेकिन 1884 - 1889 के मध्य चैलेंजर अभियान की रवियों से कई परिष्कार आए।

उसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह था कि महासागरों का सर्वाधिक गहरा शीत मध्य में नहीं है, बल्कि तर पर है। इससे यह कि महासागरों के मध्य भाग में विश्व की लम्बी पर्वत श्रृंखला है, जिसे मध्य-महासागरीय कटक कहा जाता है।

* आइसोबाथ :-

पैसिजर क्रियान के बाद समुद्री गिरावट के लिए सम्मोच रेखाएँ खींची गईं, उसे 'आइसोबाथ' कहा गया है। इसके लिए सोनिक डेपथ रिकॉर्डर (Sonic Depth Recorder) की मदद ली गई। यह यंत्र ध्वनि के माध्यम पर गहराई मापता है। वर्तमान समय में कृत्रिम उपग्रह से प्राप्त चित्रों के माध्यम पर महासागरों की गहराई का अध्ययन किया जा रहा है।